CATHOLIC DIOCESE OF JAGDALPUR

Bishop's House, Lalbagh,
Jagdalpur P.O., Bastar Dt.
C.G. INDIA, PIN: 494 001
Phone/Fax: 07782 228307
Mob: 09406104675

Joseph Kollamparampil CMI
Bishop of Jagdalpur
Email: jjkollamparampil@gmail.com

Email: jagdalpurbishop@gmail.com
Website:jagdalpurdiocese.org

Ref: 20B/171/21

Date: 31 October 21

परिपत्र

जगदलपुर धर्मप्रांत के प्रिय पुरोहितगण, धर्मभाई–बहिने लोकधर्मी प्रेरित एवं मेरे प्रिय विश्वासीगण,

आप सबों को जगदलपुर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष बिषप जोसफ कोल्लाम्पारमपिल सी.एम.आई. की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

मुझे उम्मीद है कि आप लोगों ने सीरो–मलबार कलीसिया के मेजर आर्चबिषप कार्डीनल जॉर्ज आलेन्चेरी का चरागाही पत्र पढ़ा। जिसमें उन्होने पवित्र मिस्सा के संशोधित किताब का उपयोग और एकरूप तरीके का समारोह के निर्णय को 28 नवंबर 2021, नये उपासना काल की शुरूवात से सभी धर्मप्रांतो में लागु करने के लिए सम्बोधित किया है।

कलीसियाई कानून के आधार पर, सभी धर्माध्यक्ष, पुरोहितगण, धर्मभाई–बहिने, लोकधर्मी प्रेरितएवं विश्वासीगण, पवित्र मिस्सा के संशोधित किताब का उपयोग और एकरूप तरीके का समारोह जो रोम में ओरिएण्टल चर्चके निर्देशक मंडली एवंसंत पापा फ्रांसीस के परामर्श द्वारा हुई धर्मसभा के निर्णय को लागू करने के लिए बाधित हैं

पवित्र मिस्सा का एकरूप तरीके का समारोह जो 28 नवंबर 2021 से लागू करने के सम्बंध में हमारे धर्मप्रांत के पुरोहितगण, धार्मिक संस्थानों एवं अन्य संस्थानो के उच्च अधिकारीगण कृपया अपने चर्च एवं चैपल में आवश्यक प्रबंध, वेदी से बेमा अलग प्रयोग करने की व्यवस्था करें।

हमारे धर्मप्रांत में पवित्र मिस्सा चढ़ाने की एकरूपता को हम शुरू करेंगे। अर्थातः– अनुष्ठानकर्ता बेमा में लोगों की ओर अभिमुख करते हुए पवित्र मिस्सा के पहले भाग को अर्पित करेंगे और दुसरे भाग में प्रेरितों का धर्मसार बोलने के बाद पुरोहित अति पवित्र स्थान में प्रवेश करके विश्वासियों के समान–दिशा में सम्मीलित होकर वेदी में पवित्र मिस्सा अर्पित करेंगे। पवित्र परमप्रसाद के बाद, धन्यवाद प्रार्थना और अंतिम आशीवाद की प्रार्थना अनुष्ठानकर्ता फिर से लोगों की ओर देखते हुए सम्पन्न करेंगे।

CS Scanned with CamScanner

जैसे की संशोधित मिस्सा की हिन्दी अनुबाद और इसकी प्रिन्टीगं के लिए ज्यादा समय की आवश्यकता है, इसलिए हम वर्तमान किताब का प्रयोग जारी रखेंगे और नये संशोधित मिस्सा की हिन्दी किताब का प्रयोग उपवास काल के शुरूवात फरवरी 2022 से करेंगे। संशोधित मिस्सा के किताब की विधि का निर्देशन उस मौके पर दिया जायेगा।

पवित्र कुर्बाना के समारोह के कम के अनुसार प्रस्तावना विधी और पवित्र वचन विधी येसु के जन्म और उनके सार्वजनिक कार्यों के बारे में स्मरण दिलाते है। और इसी पर आधारित अनुष्ठानकर्ता बेमा में लोगों की ओर देखते हुए पवित्र मिस्सा का पहला भाग को अर्पित करते है। प्रेरितों का धर्मसार बोलने के बाद पुरोहित जो कलीसिया के नाम पर अति पवित्र स्थान में प्रवेश करता है और वेदी में पिता ईश्वर को येसु मसीह के प्रतिनीधि के रूप में पवित्र बलिदान अर्पित करता हैं। परम्परा के अनुसार, पवित्र कुरर्बाना के अनाफोरा में, कलीसिया जो येसु खिस्त का रहस्यात्मक शरीर है, त्याग और आराधना पिता ईश्वर को चढ़ाते हैं;क्योंकि अनुष्ठाता पुरोहित, येसु का प्रतिनीधि है और विश्वासी पिता ईश्वर को समान दिशा में वेदी की ओर देखते हुए बलिदान चढ़ाते है। पवित्र बलिदान म, जब ईश्वर के लोग समूह में एकत्रित होते है, प्रभु येसु खुद प्रधान अनुष्ठाता है; वह हर पवित्र बलिदान में अदृश्य रूप में अध्यक्षता करते हैं (सी.सी.सी. 1348)। जब अनुष्ठाता और विश्वासीगण वेदी जिसे ईश्वर का सिहासन और येसु का कब्र माना जाता है और उसी की ओर देखते हुए खड़े होते है, तो यह ईश्वर और स्वर्ग की ओर मुड़ने का प्रतीक है। परमप्रसाद ग्रहण करने के बाद धन्यवाद प्रार्थना और अंतिम आर्शीवाद की प्रार्थना अनुष्ठानकर्ता फिर से लोगों की ओर मोड़कर सम्पन्न करते है।

पवित्र बलिदान का समारोह जो खिस्तीय जीवन का स्रोत और आधार है, यह ईश्वर के लोगों के लिए एकता और सहर्चय का साक्षी बनने का एक अच्छा अवसर है। संत पौलूस कहते है: " भाईयों! हमारे प्रभु ईसा मसीह के नाम पर मैं आप लोगों से यह अनुरोध करता हूँ – आप लोग एकमत हो कर दलबन्दी से दूर रहें। आप एक दूसरे से मेल–मिलाप करें और हृदय तथा मन से पूर्ण रूप से एक हो जायें(1कुरिन्थ 1:10)"। संत पौलूस के इन चेतावनी को हामी भरते हुए हम पवित्र कुर्बाना समारोह की एकरूप तरिके को मंगलवार्ता काल के पहले रविवार से शुरू करें।

प्रभु येशु में आपका,

बिशप जोसेफ कोल्लमपारम्पिल CMI
जगदलपुर के धर्माध्यक्ष

CS Scanned with CamScanner